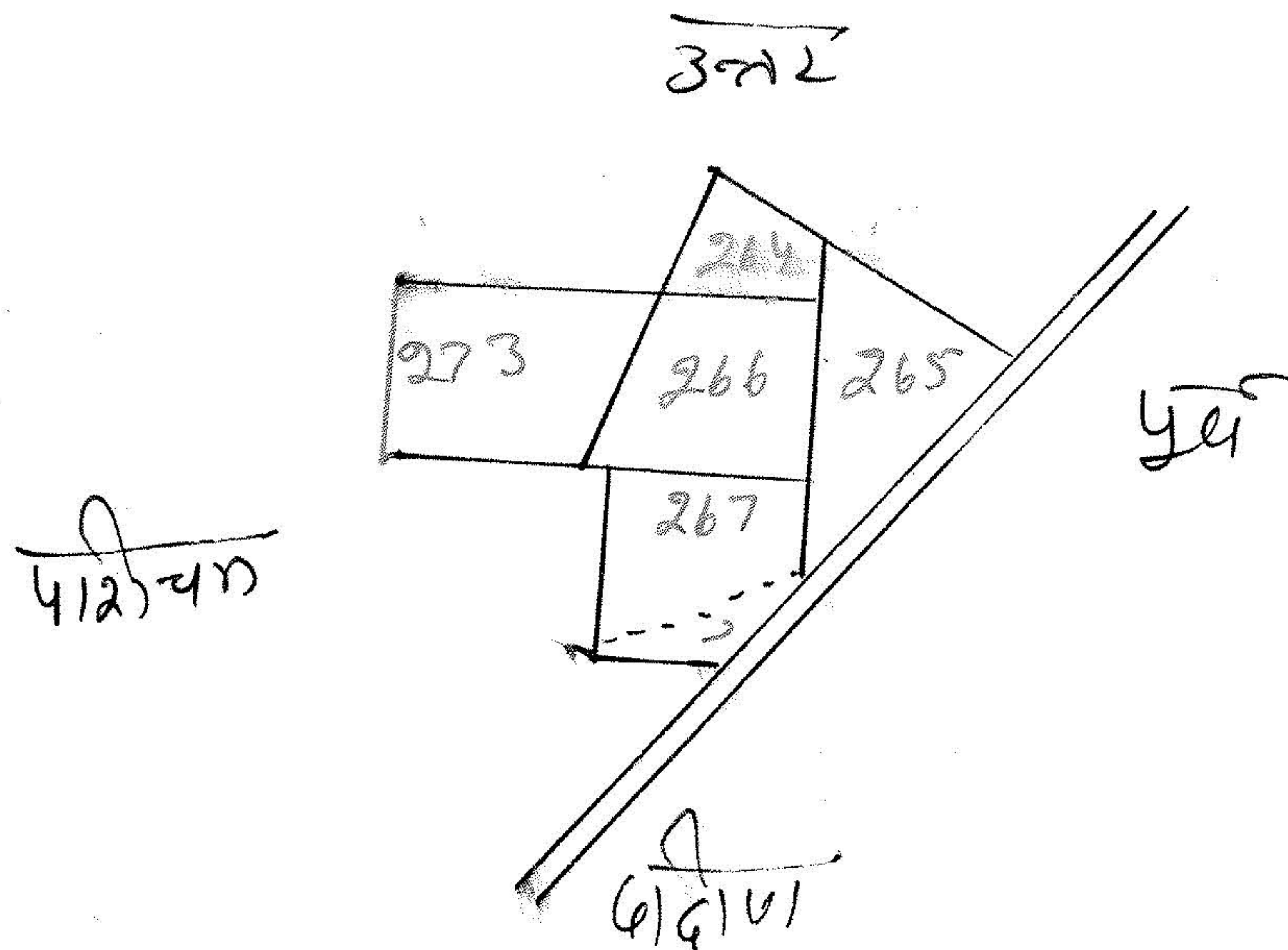


नकल अंश 12/21 गण सुभाषित न. व. दि. दिल्ली

(माल 1953-54)



नी माल जी

नकल मुलादिक अमल के नकल न पालक के
न प्रपाम के दी के -